६. हमारे गाँव का परिचय

करके देखो

नीचे दी गई शब्द पहेली में गाँवों के नाम खोजो :

भं	जा	बी	ख	ड़	की
डा	ल	ड़	ड़	दे	अ
रा	ना	शि	क	हू	को
सा	वं	त	वा	ड़ी	ल्हा
ता	ठा	णे	स	भो	पु
रा	पु	सो	ला	पु	र

- गाँव कैसे बनता है ?

प्राचीन काल में खेती की खोज होने से पहले मनुष्य घुमंतू जीवन जीता था । उस समय वह जीने के लिए मारे गए जानवरों के मांस (शिकार) तथा कंदमूलों पर निर्भर था । आगे चलकर खेती की खोज हुई । जमीन तथा पानी के आधार पर वह बस्तियाँ बनाने लगा । कुछ समय बाद मनुष्य एक ही स्थान पर घर बनाकर रहने लगा । आपसी सहकार द्‌वारा वह खेती करने लगा । उनके घर एक-दूसरे के अत्यंत पास-पास होते थे । इनसे बस्तियाँ बनीं । उनका विस्तार हुआ । कई बस्तियों के मेल से 'गाँव' बन गए । उनमें सुरक्षा की भावना का निर्माण हुआ ।

खेती की खोज के बाद मनुष्य के काम बढ़ गए । ये सभी काम एक ही व्यक्ति नहीं कर सकता था । इसलिए लोगों में कामों का बँटवारा किया गया । उदा. लकड़ी के औजार बनाना, उनकी मरम्मत करना, कपड़ा बुनना, आभूषण बनाना, मिट्‌टी के बरतन बनाना जैसे विभिन्न व्यवसाय करने वाले कारीगर बनते गए ।

- खेती के काम में कौन-कौन-से औजार लगते हैं ?
- खेती के पुराने और नवीन औजारों की जानकारी प्राप्त करो ।
- कोई कृषि प्रदर्शनी देखने जाओ ।

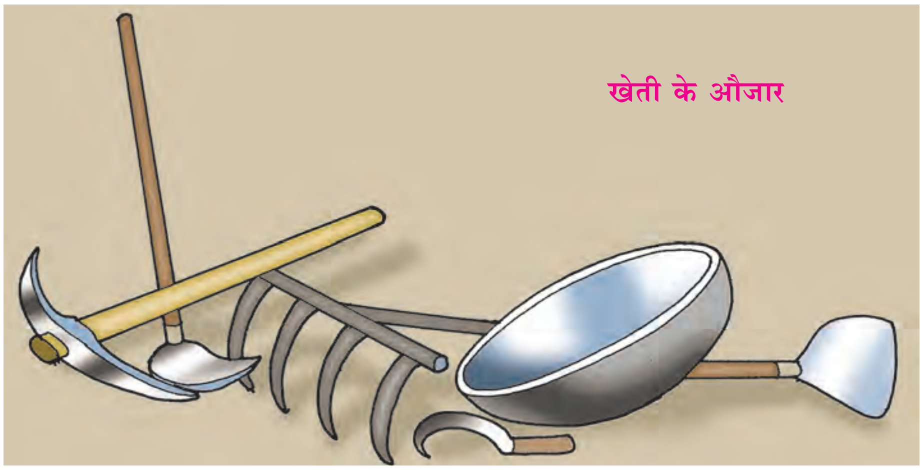

बताओ तो

- तुम्हारे गाँव में कौन-कौन-से ऐतिहासिक वास्तु अथवा वस्तुएँ हैं ?

गाँव में मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, स्मारक, किला, वस्तुसंग्रहालय तथा गुफा इत्यादि वास्तु पाए जाते हैं । इनके आधार पर गाँवों की पहचान होती है । ऐतिहासिक वास्तुओं द्‍वारा हमें अपने गाँवों की संपन्नता के दर्शन होते हैं । हमें अपने गाँव का इतिहास जानने में सहायता प्राप्त होती है । ये वास्तु ही हमारी मूल्यवान धरोहर हैं ।

इस धरोहर का सुरक्षित बना रहना बहुत आवश्यक है। यह धरोहर सदैव सहेजकर रखना हमारा दायित्व है । गाँव के धार्मिक मेले, यात्रा, किसी धार्मिक स्थान, किले इत्यादि के कारण गाँव का नाम प्रसिद्‌ध होता है। उदा. रायगढ़ किले के कारण रायगढ़ जिला पहचाना जाता है ।

रायगढ़ किला

करके देखो

(१) तुम्हारे गाँव का नाम कैसे पड़ा, अपने अभिभावक अथवा शिक्षक से इसकी जानकारी प्राप्त करो ।

(२) किसी व्यक्ति, फल, फूल, पेड़, पक्षी, प्राणी इत्यादि के नामों के साथ संबंधित गाँवों के नाम खोजो और लिखो ।

प्रत्येक गाँव का एक नाम होता है । उसी प्रकार सड़क, चौक, बाजार आदि के भी नाम होते हैं । ये नाम कैसे पड़े; इसे खोजो ।

क्या तुम जानते हो

छत्रपति शिवाजी महाराज सूरत से वापस आते समय नाशिक जिले के तलेगाँव (दिंडोरी) नामक गाँव के पास रुके थे । वहाँ उन्होंने अपनी सेना का पड़ाव डाला था । तले/तल का अर्थ पड़ाव डालना अथवा रुकना होता है इसलिए इस गाँव का नाम तलेगाँव पड़ा है ।

अहमदनगर जिले के 'धामणगाँव पाट' नामक गाँव के परिसर में पहले 'धामण नामवाला वृक्ष अत्यधिक संख्या में पाए जाने कारण उसका नाम 'धामणगाँव' पड़ा है ।

जालना जिले की परतूर तहसील में 'आष्टी धोतरजोड्याची' नामवाला गाँव है । जोड्याची शब्द का अर्थ जोड़ियाँ होता है । पहले वहाँ पर उत्तम तथा मुलायम धोतियों की जोड़ियाँ बनाई जाती थीं । इसलिए उस गाँव को 'आष्टी-धोतरजोड्याची' के नाम से जाना जाता है ।

शिवराम हरी राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे । भगतसिंह-राजगुरु-सुखदेव ये तीनों क्रांतिकारी प्रसिद्ध हैं । राजगुरु का जन्म पुणे जिले के 'खेड़' नामक गाँव में हुआ । प्राथमिक शिक्षा के बाद वे अमरावती चले गए । वहाँ उन्होंने हनुमान व्यायामशाला में देशभक्ति की दीक्षा ली । संस्कृत भाषा के अध्ययन के लिए वे आयु के १५ वें वर्ष में बनारस चले गए । उन्हें मराठी, संस्कृत, हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी जैसी कई भाषाएँ अवगत थीं । सुखदेव तथा भगतसिंह से उनकी विशेष मित्रता थी । बाद में राजगुरु ने क्रांतिकार्य में भाग लिया । देश के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी । उनकी स्मृति के रूप में उनके जन्मगाँव 'खेड़' का नाम 'राजगुरुनगर' रखा गया है ।

करके देखो

विश्व विरासत दिवस : प्रति वर्ष १८ अप्रैल का दिन 'विश्व विरासत दिवस' के रूप में जाना जाता है । इस दिवस के अवसर पर किसी किले या राष्ट्रीय स्मारक को देखने जाओ। उसका महत्त्व जानो । 'विश्व विरासत दिवस' के संरक्षण लिए कौन-से नियम हैं ? वे नियम संकलित करो।

- अपने परिसर के ऐतिहासिक वास्तु, भवन के चित्र बनाओ और वे चित्र चौखटों में चिपकाओ :

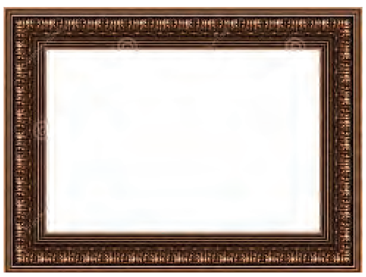
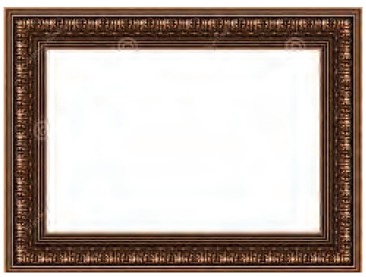
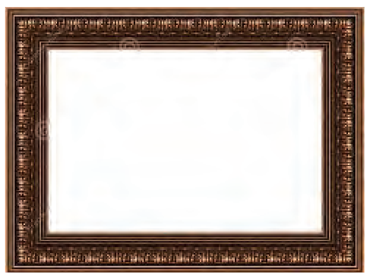

जिस प्रकार गाँव के पुराने वास्तुओं द्वारा गाँव को गौरव प्राप्त होता है, उसी प्रकार वहाँ के लोगों और उनके महान कार्यों के कारण भी गाँव को गौरव प्राप्त होता है । परिसर के सैनिक, लेखक, कलाकार इत्यादि की जानकारी एकत्र करो । विद्यालय में उन्हें निमंत्रित करके उनका साक्षात्कार लो।

क्या तुम जानते हो

संत गाडगे महाराज का मूल नाम डेबूजी झिंगराजी जानोरकर था । उनका मूल गाँव अमरावती जिले की दर्यापुर तहसील का शेंडगाँव (शेणगाँव) है । संत गाडगे बाबा ने कीर्तन द्वारा लोगों को जागृत किया । वे लोगों से प्रश्न पूछते थे और स्वयं उत्तर देते थे । 'हमारे लोग गरीब क्यों रह गए ? क्योंकि वे शिक्षित नहीं हैं ।' इसलिए वे लोगों से 'पढ़ाई करो' का आह्वान करते थे । उन्हें बीसवीं शताब्दी के महान संत के रूप में जाना जाता है । उनके जनसेवा संबंधी कार्यों के कारण गाँव का नाम अजर-अमर हो गया है।

साप्ताहिक बाजार

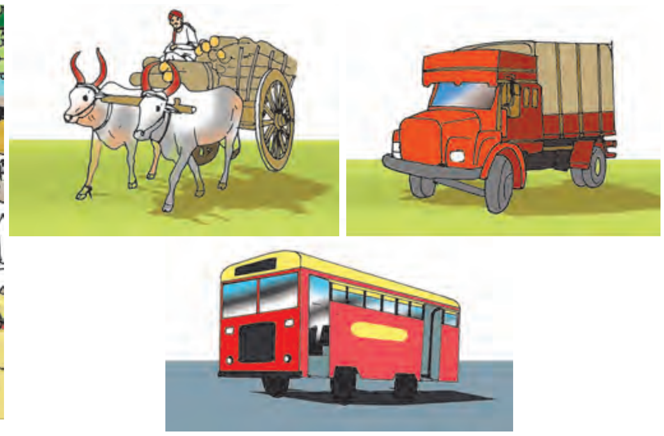

परिवहन के साधन

करके देखो

गाँव के साप्ताहिक बाजार में जाओ और किसी दुकानदार से मिलो । निम्न प्रश्नों के आधार पर उसका साक्षात्कार लो ।

(१) आप कितने वर्षों से यह व्यवसाय कर रहे हैं ?

(२) आपकी दुकान में बेचने के लिए कौन-कौन-सी वस्तुएँ हैं ?

(३) आप ये वस्तुएँ कहाँ से लाते हैं ?

(४) वस्तुओं के परिवहन के लिए किन साधनों का उपयोग किया जाता है ?

दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए गाँव के लोग प्राय: साप्ताहिक बाजार पर निर्भर रहते हैं । इस बाजार में सभी आवश्यक वस्तुएँ मिलती हैं । इनमें मुख्य रूप से अनाज, साग-सब्जी, खेती के औजार, कपड़े इत्यादि वस्तुएँ उपलब्ध होती हैं । बाजार के बहाने गाँव के परिसर के लोग एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं । इससे एक-दूसरे की खुशहाली की भी जानकारी होती है ।

क्या तुम जानते हो

गधों की हाट – जेजुरी

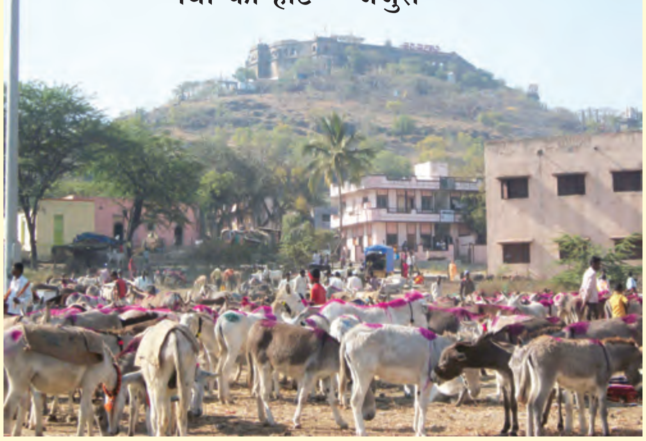

बाजार के कई प्रकार हैं । उदा. फूलों का बाजार, फलों का बाजार । उसी प्रकार गधे, घोड़े इत्यादि प्राणियों के खरीदने-बेचने की भी हाट लगती है । पुणे जिले का जेजुरी तथा अहमदनगर जिले का मढ़ी नामक स्थान गधों की हाट के लिए प्रसिद्ध हैं । उसी प्रकार नांदेड़ जिले के मालेगाँव में घोड़ों तथा गधों की हाट लगती है । इन बातों से भी गाँव की पहचान होती है ।

अब क्या करना चाहिए

'साप्ताहिक बाजार और परिवहन के साधन' इन दोनों चित्रों का पारिस्परिक संबंध क्या तुम्हें जोड़ना आता है ?

करके देखो

संलग्न चौखट में व्यक्ति का नाम, गाँव का नाम, नाते-रिश्ते, प्राणी का नाम, सब्जी का नाम छिपा हुआ है । उन्हें खोजो :

को	वे	को	मा	सो	म
आ	ल्हा	शे	का	ला	क
का	का	पु	र	ही	रं
दी	र	दा	र	ल	द
अ	भि	जी	त	मे	थी

हमने क्या सीखा

- कई बस्तियाँ मिलकर गाँव बनता है ।
- खेती की खोज होने के बाद मनुष्य के काम बढ़ गए ।
- कुछ गाँवों का परिचय ऐतिहासिक वास्तुओं के कारण होता है ।
- गाँव के निवासियों और उनके महत्त्वपूर्ण कार्यों के फलस्वरूप गाँव को गौरव प्राप्त होता है ।
- बाजार में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएँ मिलती हैं ।

स्वाध्याय

(अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखो :

(१) गाँव में कौन-कौन-से वास्तु पाए जाते हैं ?

(२) गाँव का नाम किस कारण प्रसिद्ध होता है ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) रायगढ़ किले के कारण .... जिला पहचाना जाता है ।

(२) दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गाँव के लोग .... बाजार पर निर्भर रहते हैं ।

उपक्रम

(अ) अपने परिसर में पाए जाने वाले वास्तुओं की जानकारी प्राप्त करो ।

(आ) अपने गाँव के संबंध में जानकारी प्राप्त करो ।

***

७. हमारा गाँव, हमारा शहर

इस चित्र में एक गाँव तथा एक शहर दिखाया गया है । इस चित्र को ध्यान से देखो :

१) नीचे दिए गए मुद्‌दों के आधार पर शहर तथा गाँव के अंतर को समझो :

- घर
- वेशभूषा
- वाहन
- उद्‌योग
- सुविधाएँ

२) इसके अतिरिक्त तुमने गाँव तथा शहर में और कौन-सी बातें देखी हैं । उनकी सूची बनाओ ।

HOSPITAL
U & Me Bank
CITY MALL

बताओ तो

(१) चित्र में दी गई कौन-सी वस्तुएँ खेत में उगती हैं ?
(२) ये वस्तुएँ और कहाँ मिलती हैं ?
(३) चित्र में दी गई कौन-सी वस्तु कारखाने में तैयार होती है ?
(४) ये वस्तुएँ तुम्हें और कहाँ मिलती हैं ?
(५) हमें इन वस्तुओं की किसलिए आवश्यकता होती है ?
(६) इन वस्तुओं को ग्रामीण तथा शहरी भागों में पहुँचाने के लिए किन साधनों का उपयोग किया जाता है ?

- अनाज, साग-सब्जी, दूध इत्यादि सामान गाँव से आता है ।
- साइकिलें, खिलौने, पुस्तकें इत्यादि सामान शहर से आता है ।
- खेती के औजार, कपड़ा, औषधियाँ, मोटरकार, साबुन, काँच, बल्ब इत्यादि वस्तुएँ कारखानों में बनती हैं । कारखाने मुख्यत: शहरों के पास होते हैं । गाँव तथा शहर में रहने वाले लोग इन सभी वस्तुओं का उपयोग करते हैं । शहरी तथा ग्रामीण लोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं ।
- लोगों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए परिवहन तथा संचार के साधनों की आवश्यकता होती है ।

पहले गाँव तथा शहर में अधिक अंतर होता था । अब यह अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है । शहरों में पाई जाने वाली बहुत-सी सुविधाएँ धीरे-धीरे गाँवों में भी दिखाई देने लगी हैं ।

• परिवहन के साधन

जैसे-जैसे मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती गईं, वैसे-वैसे उसने परिवहन के नवीन साधनों के आविष्कार किए । पहले वह सामान लाने-ले जाने के लिए हाथी, बैल, ऊँट, घोड़े तथा गधे जैसे जानवरों का उपयोग करता था । कालांतर में बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी जैसे साधन आ गए । फिर जलयान तथा रेलगाड़ी का आविष्कार हुआ । आगे चलकर विमानों का आविष्कार हुआ । फलस्वरूप परिवहन शीघ्र गति से होने लगा ।

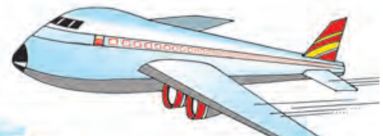

बताओ तो

नीचे एक खाने में परिवहन के साधनों और दूसरे खाने में वे किसपर (कहाँ) चलते हैं, उनके चित्र दिए गए हैं । उनकी उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

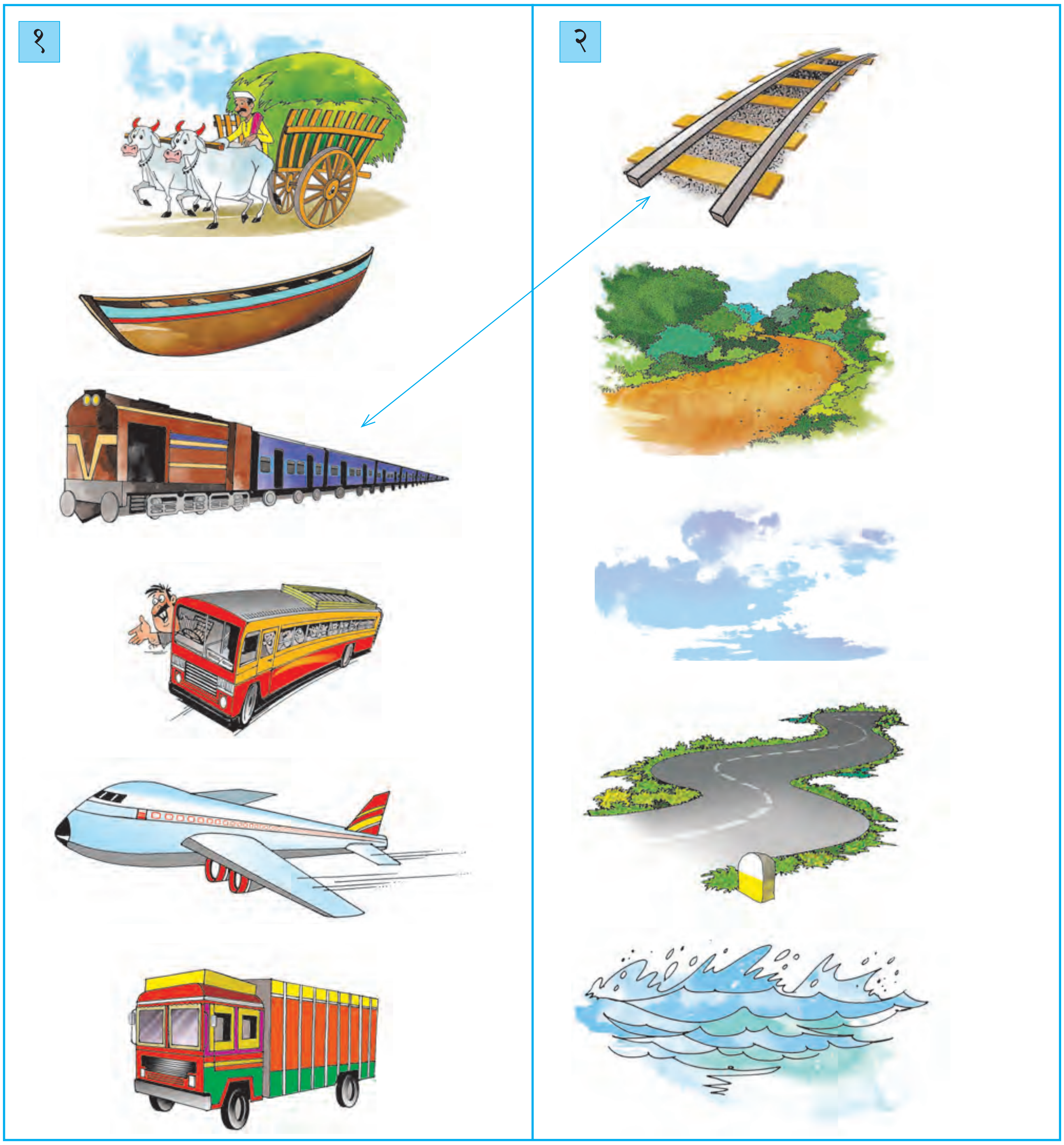

अब बहुत-से गाँवों और शहरों में परिवहन की अच्छी व्यवस्था तथा सुविधाएँ आ गई हैं । अपनी तहसील अथवा जिले में परिवहन की कौन-सी व्यवस्था है तथा कौन-से प्रसिद्‌ध स्थान हैं, उन्हें ज्ञात करेंगे । उसके लिए अपने जिले के मानचित्र का अध्ययन करो । मानचित्र पर आधारित कृति पूर्ण करो ।

मानचित्र से मित्रता

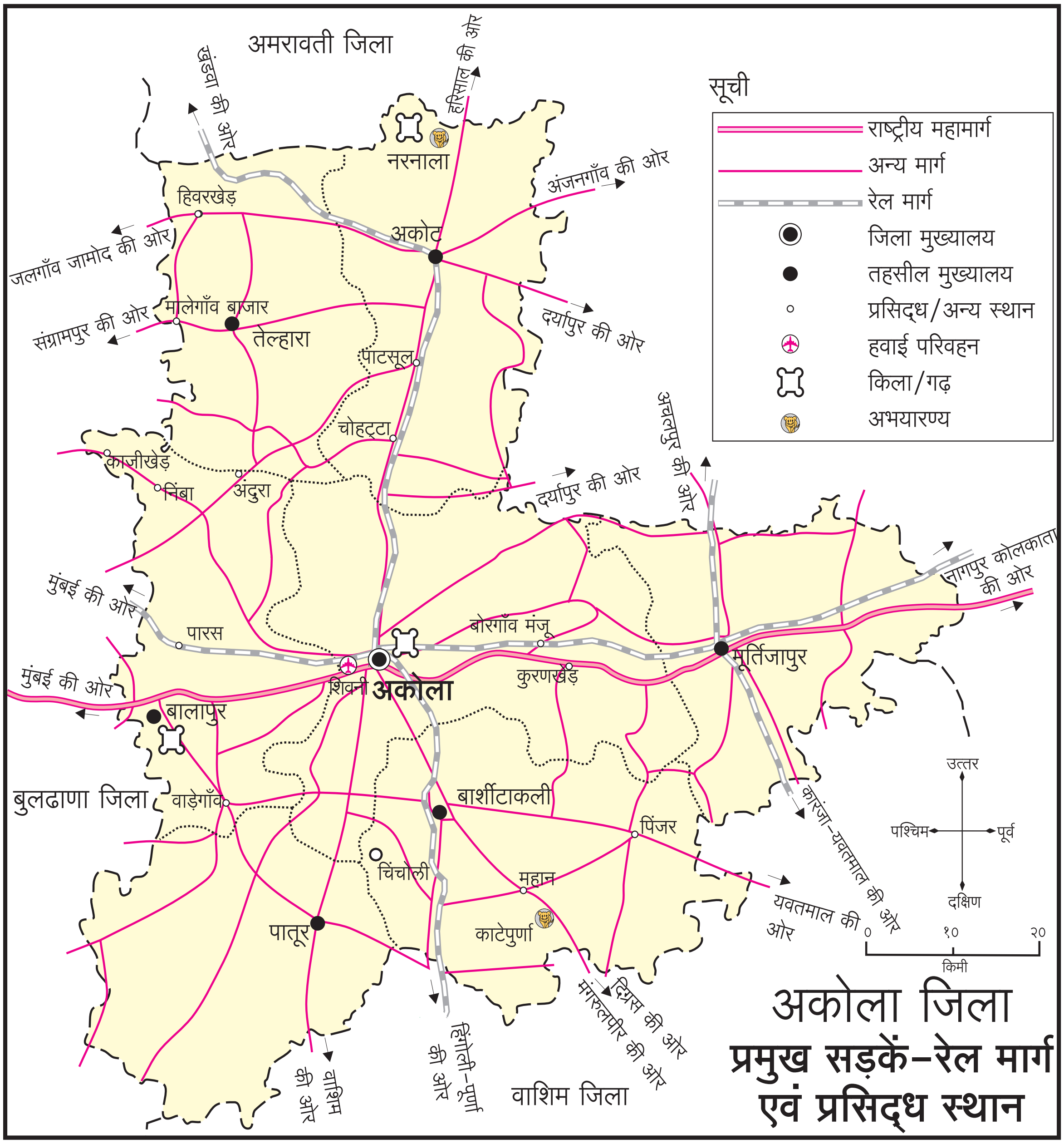

१. अपने जिले का राष्ट्रीय महामार्ग जिन तहसीलों में से होकर जाता है; उन तहसीलों के नाम चौखट में लिखो । [ ]

२. मूर्तिजापुर और अकोला महत्त्वपूर्ण जंक्शन हैं । उनमें से अकोला से जिन स्थानों की ओर रेल गाड़ियाँ जाती हैं; उन स्थानों के नाम चौखट में लिखो । [ ]

३. अपने जिले के अभयारण्यों के नामों के चारों ओर चौखट बनाओ ।

४. अपने जिले में जिन स्थानों पर किले हैं; वहाँ के चिह्न रँगो और उन स्थानों के नाम चौखट में लिखो । [ ]

बताओ तो

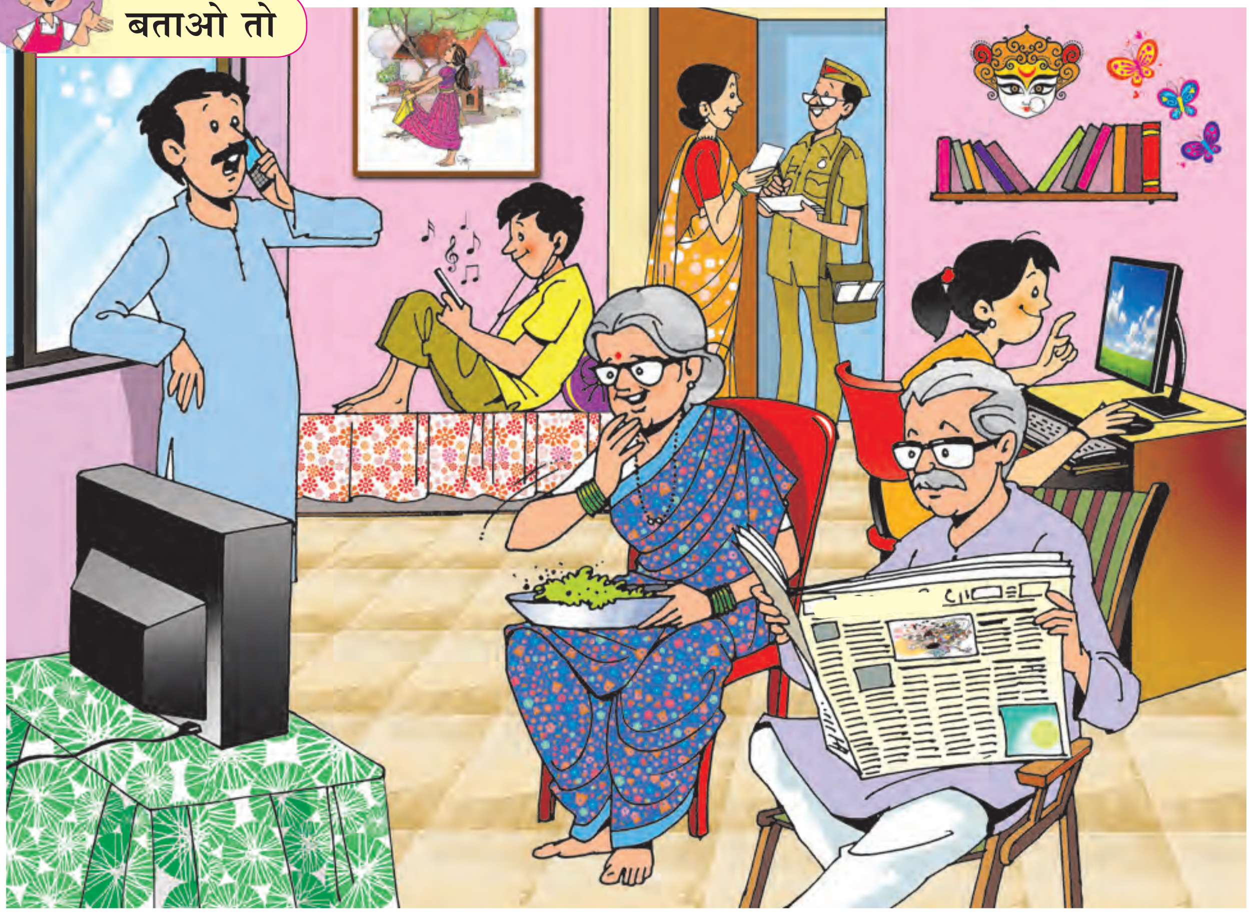

१. दादा जी क्या पढ़ रहे हैं ?
२. जानकारी प्राप्त करने के लिए दीदी किसका उपयोग कर रही हैं ?
३. दादी जी क्या देख रही हैं ?
४. भैया गीत सुन रहे हैं, उसके लिए उन्होंने कान पर क्या लगाया है ?
५. पिता जी बात करने के लिए किसका उपयोग कर रहे हैं ?
६. दरवाजे पर कौन आया है ? माँ उससे क्या ले रही हैं ?

हम लोग प्राय: पत्र, संगणक, मोबाइल फोन, समाचारपत्र, टी.वी., म्यूजिक प्लेयर जैसी वस्तुओं का उपयोग करते हैं । इन सभी साधनों की जानकारी तथा संदेश प्राप्त करने या भेजने के लिए उपयोग किया जाता है । ये संचार के साधन हैं ।

- **बोली भाषा**

मनुष्य भाषा की सहायता से परस्पर बातचीत करता है और अपने विचार दूसरों तक पहुँचाता है। एक ही भाषा विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग ढंग से बोली जाती है । प्रदेश के अनुसार उस भाषा के शब्दों के उच्चारण भी बदल जाते हैं । उस भाषा पर अन्य भाषाओं का भी प्रभाव पड़ता है । अन्य भाषाओं के शब्द हमारी भाषा में आते हैं । इस प्रकार विभिन्न प्रदेशों में एक ही भाषा की बोलियाँ उत्पन्न हो जाती हैं । उदा. अहिराणी, मालवणी, वराडी । ये मराठी भाषा की कुछ बोलियाँ हैं । **मराठी** महाराष्ट्र की **राजभाषा** है ।

क्या तुम जानते हो

बहुत समय पहले संदेश भेजने का कोई उन्नत साधन नहीं था । उस समय विभिन्न विधियों से जानकारी भेजी जाती थी । उसके लिए कभी-कभी प्रशिक्षित कबूतरों का उपयोग किया जाता था । लिखा गया कागज या कपड़ा कबूतर के पैर में बाँधकर संदेश भेजे जाते थे ।

अब क्या करना चाहिए

रोहन तथा रूपाली जहाँ रहते हैं, उस क्षेत्र में मोबाइल फोन, टेलीफोन, संगणक आदि सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं । उन्हें दूसरे गाँव में किसी रिश्तेदार को संदेश भेजना है । इसके लिए तुम उनकी किस प्रकार सहायता करोगे ?

इसे सदैव ध्यान में रखो

वर्तमान समय में परिवहन तथा संचार साधनों का अत्यधिक विकास हुआ है परंतु इन साधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण प्रदूषण में भी वृद्धि हुई है । इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इन साधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना चाहिए ।

हमने क्या सीखा

* गाँव तथा शहर का पारस्परिक संबंध ।
* परिवहन तथा संचार के साधन ।
* परिवहन तथा संचार व्यवस्था की आवश्यकता ।
* हमारी तहसील तथा जिले की परिवहन व्यवस्था तथा प्रसिद्ध स्थल ।

स्वाध्याय

(अ) साग-सब्जी, प्याज, गेहूँ, मोटरसाइकिल, पुस्तक, टी.वी., रेडियो :

(१) उपर्युक्त में से कौन-सा माल गाँव से शहर में आता है ?
(२) उपर्युक्त में से कौन-सा माल शहर से गाँव में जाता है ?

(आ) नीचे दिया गया परिच्छेद पढ़ो और प्रश्नों के उत्तर दो :

पूजा अपनी सहेली के घर जाने के लिए निकली थी । उसी समय डाकिया चाचा पत्र लेकर आ गए । बस से यात्रा करते समय पूजा ने कुछ लोगों को घोड़े पर सामान लादकर ले जाते हुए देखा । वह सहेली के पास जब पहुँची तब उसकी सहेली मोबाइल फोन पर बात कर रही थी ।

(१) परिवहन के साधन कौन-कौन-से हैं ?
(२) संचार के साधन कौन-कौन-से हैं ?

(इ) कलम, कैंची, पत्र, मोबाइल, इस्त्री, बोतल, टेलीफोन, घड़ी, चश्मा, पुस्तक, टोपी :

- उपर्युक्त में से संचार के साधन खोजो और उनके चारों ओर ○ बनाओ ।

(ई) कृति करो :

- तुम्हारे देखे हुए गाँव और शहर के चित्र बनाओ ।
- इस चित्र में शहर से गाँव और गाँव से शहर में आने-जाने वाली वस्तुएँ दिखाओ ।

उपक्रम

- तुम्हारे दादा-दादी के बचपन में शायद टी.वी., म्यूजिक प्लेयर नहीं था । रेडियो भी बहुत कम लोगों के पास थे । उनके साथ चर्चा करके ज्ञात करो कि उस समय वे मनोरंजन के लिए क्या करते थे ?

D9HU9Y

***